No. of Printed Pages : **4**

MES-103

01075

MASTER OF ARTS (EDUCATION) / P.G. DIPLOMA IN HIGHER EDUCATION
M.A. (Edu.)/(PGDHE)

Term-End Examination

December, 2017

MES-103 : HIGHER EDUCATION : THE PSYCHO-SOCIAL CONTEXT

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : (i) All questions are compulsory.
(ii) All questions carry equal weightage.

1. Answer the following question in about 600 words :

Describe the characteristics of Indian college students. How does the understanding of these characteristics help teachers to improve their classroom teaching ?

OR

What is 'Personality' ? Discuss constituents of personality which you might have observed among college students.

2. Answer the following question in about 600 words :

What is meant by communication ? Discuss the core skills required for effective communication in the classroom.

OR

Illustrate with suitable examples the various strategies needed for enhancing motivation among college students.

3. Answer any four of the following question in about 150 words each :

(a) Explain personality disorders and their possible reasons

(b) Discuss learning styles prevalent among college students

(c) Describe the factors conducive for fostering a 'learning environment' in colleges.

(d) What are the techniques of behaviour therapy which, according to you, will be helpful for college students ?

(e) Explain the life-skills approach to counselling

(f) Describe techniques of stress management

4. Answer the following question in about 600 words :

Suppose you are the Head of a Higher Education Institute. Discuss the strategies you would adopt to facilitate learning among students with special needs.

एम.ई.एस.-103

शिक्षा में परास्नातक / उच्चशिक्षा में परास्नातक डिप्लोमा

एम.ए. (शिक्षा) / (पी.जी.डी.एच.ई)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2017

एम.ई.एस.-103 : उच्चशिक्षा : मनोसामाजिक सन्दर्भ

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

*नोट : (i) **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।*

*(ii) **सभी** प्रश्नों की भारिता **समान** है।*

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।
भारतीय महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लक्षणों का वर्णन कीजिए। इन लक्षणों का ज्ञान अध्यापकों को अपने कक्षाकक्ष शिक्षण को सुधारने में कैसे मदद करता है?

अथवा

'व्यक्तित्व' क्या है? व्यक्तित्व के उन घटकों का वर्णन कीजिए, जिन्हें सम्भवत: आपने अपने महाविद्यालय के विद्यार्थियों में अवलोकित किया है।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।
'संप्रेषण' से आप क्या समझते हैं? कक्षाकक्ष में संप्रेषण के लिए आवश्यक प्रमुख कौशलों का वर्णन कीजिए।

अथवा

महाविद्यालय के विद्यार्थियों में अभिप्रेरण को बढ़ाने के लिए आवश्यक विभिन्न युक्तियों को उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं चार** के उत्तर दीजिए। प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में दें।

(a) व्यक्तित्व विकारों व उनके संभावित कारणों का वर्णन कीजिए।

(b) महाविद्यालयी विद्यार्थियों में पाए जाने वाली अधिगम शैलियों का वर्णन कीजिए।

(c) महाविद्यालयों में एक 'अधिगम वातावरण' को प्रोत्साहित करने वाले सहायक कारकों का वर्णन कीजिए।

(d) व्यवहारात्मक उपचार की कौन सी तकनीकियाँ, आपके विचार से महविद्यालयों के विद्यार्थियों की मद्दगार है?

(e) परामर्श के जीवन-कौशल उपागम की व्याख्या कीजिए।

(f) तनाव प्रबन्धन की तकनीकों का वर्णन कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए। मान लीजिए कि आप एक उच्च शिक्षण संस्थान के प्रमुख हैं। विशिष्ट आवश्यकता वाले विद्यार्थियों में अधिगम की सहायता के लिए आप कौन-सी युक्तियाँ अपनाएँगे?